अनुक्रमांक

नाम

102/1 304(AR)

2018

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) 'प्रेमसागर' के रचनाकार हैं

   i) राधाकृष्ण दास

   ii) सदासुख लाल

   iii) रामप्रसाद निरंजनी

   iv) लल्लू लाल । 1

ख) प्रेमचन्द का उपन्यास है

i) तितली ii) कंकाल

iii) गोदान iv) त्यागपत्र । 1

ग) 'पैरों में पंख बाँधकर' कृति की विधा है

i) आत्मकथा ii) जीवनी

iii) यात्रावृत्त iv) उपन्यास । 1

घ) 'कल्पलता' निबंध संग्रह के लेखक हैं

i) रामचन्द्र शुक्ल

ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) गुलाब राय

iv) वासुदेवशरण अग्रवाल । 1

ङ) 'हिन्दी प्रदीप' के सम्पादक थे

i) प्रतापनारायण मिश्र

ii) बालकृष्ण भट्ट

iii) ठाकुर जगमोहन सिंह

iv) राधाचरण गोस्वामी । 1

Previous Pathshala

2. क) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है

i) वैदेही वनवास

ii) यशोधरा

iii) लहर

iv) गुंजन । 1

ख) रामधारी सिंह 'दिनकर' को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था

i) 'रेणुका' पर

ii) 'रसवन्ती' पर

iii) 'उर्वशी' पर

iv) 'सामधेनी' पर। 1

ग) 'बीसलदेवरासो' के रचयिता हैं

i) दलपत विजय

ii) नरपति नाल्ह

iii) जगनिक

iv) शारंगधर । 1

घ) 'तारसप्तक' का प्रकाशन हुआ

i) सन् 1940 ई० में

ii) सन् 1941 ई० में

iii) सन् 1943 ई० में

iv) सन् 1945 ई० में । 1

ङ) रीतिमुक्त कवि हैं

i) बिहारी ii) भूषण

iii) केशव iv) घनानंद । 1

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) पूर्वजों ने चरित्र और धर्म-विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात्

Previous Pathshala

देखना चाहते हैं । यही राष्ट्र-संवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है । जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं ।

ii) नवीनीकरण में कितना ही प्रशस्त कार्य क्यों न हुआ हो, उस प्रक्रिया में यह भूलना नहीं चाहिए कि भाषा का मुख्य कार्य सुस्पष्ट अभिव्यक्ति है । यदि सुस्पष्टता एवं निर्दिष्टता से कोई भी भाषा वंचित रहे तो वह भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी । नए शब्दों के निर्माण में भी यही बात सोचनी चाहिए । इस संदर्भ में यह भी याद रखना चाहिए कि हम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर उस शब्द की मूल आत्मा तक सार्थकता पर विचार कर सकें ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) 'बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबन्धमात्र है; संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है ।'

ii) 'पण्डिताई भी एक बोझ है — जितनी ही भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबाती है।'

iii) 'कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और इनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है ।'

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) जाते-जाते अगर पथ में क्लान्त कोई
दिखावे ।
तो जा के सन्निकट उसकी क्लान्तियों को
मिटाना ।।
धीरे-धीरे परस करके गात उत्ताप खोना ।
सद्‌गंधों से श्रमित जन को हर्षितों-सा
बनाना ।।

Previous Pathshala

ii) सुख भोग खोजने आते सब,

आए तुम करने सत्य खोज,

जग की मिट्टी के पुतले जन,

तुम आत्मा के, मन के मनोज !

जड़ता, हिंसा, स्पर्धा में भर

चेतना, अहिंसा, नम्र ओज,

पशुता का पंकज बना दिया

तुमने मानवता का सरोज !

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) प्रकृति के यौवन का शृंगार करेंगे कभी न बासी फूल ।

ii) चार दिन सुखद चाँदनी रात

और फिर अन्धकार अज्ञात !

iii) हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी अज्ञान ।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : 2 + 2 = 4

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) हरिशंकर परसाई ।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : 2 + 2 = 4

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) महादेवी वर्मा

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

7. क) 'ध्रुवयात्रा' **अथवा** 'पंचलाइट' कहानी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए । 4

अथवा

'लाटी' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

Previous Pathshala

ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

i) 'कुहासा और किरण' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'आन का मान' नाटक के आधार पर दुर्गादास की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'गरुडध्वज' नाटक के द्वितीय अंक का सारांश लिखिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'सूतपुत्र' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

v) 'राजमुकट' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'राजमुकट' नाटक के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Previous Pathshala

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में वर्णित कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

304(AR) – 3,30,000

Previous Pathshala